DAINIK JAGRAN (JAGRAN CITY), Delhi, 21.1.2018
Page No. 15, Size:(24.10)cms X (23.42)cms.

टेक गाइड

आधार पर लगाएं सिक्योरिटी का ताला

आधार कार्ड बेहद जरूरी डॉक्यूमेंट है। इसका इस्तेमाल तकरीबन सभी तरह के सरकारी कार्यों में होने लगा है। आपके मन में भी आधार के दुरुपयोग को लेकर कोई आशंका है, तो कार्ड को बायोमेट्रिक लॉक-अनलॉक कर सकते हैं...

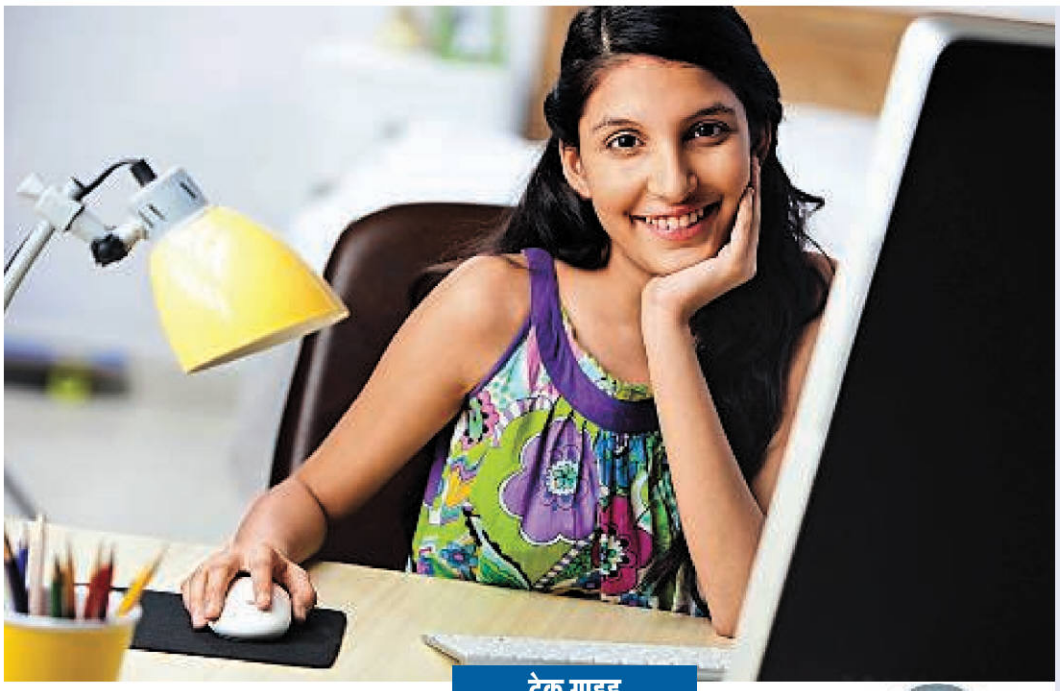

आज आधार का इस्तेमाल लगभग सभी तरह के सरकारी कार्यों में होने लगा है। सरकारी सब्सिडी लेने से लेकर बच्चों के एडमिशन तक में यह जरूरी हो गया है। अगर आप आधार कार्ड की सिक्योरिटी को लेकर चिंतित हैं, तो भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआइडीएआइ) की साइट से बायोमेट्रिक लॉक-अनलॉक की सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है। इसकी मदद से आधार डिटेल्स को जब चाहें, लॉक और अनलॉक कर सकते हैं, जिससे इसके दुरुपयोग को रोका जा सकता है।

कैसे करें बायोमेट्रिक लॉक

आधार कार्ड बनाते समय बायोमेट्रिक जानकारी देनी पड़ती है। बायोमेट्रिक डाटा को लॉक करके आधार कार्ड की जानकारी को सुरक्षित रखा जा सकता है। हालांकि जब आप एक बार अपना बायोमेट्रिक डाटा लॉक कर लेते हैं, तो उसका इस्तेमाल तब तक नहीं कर सकते, जब तक आप उसे अनलॉक नहीं करेंगे।

- सबसे पहले आधार की वेबसाइट https://uidai.gov.in को ओपन करें। यहां पर आधार सर्विसेज में जाएं। इसी सेक्शन में आपको लॉक/अनलॉक बायोमेट्रिक (https://resident.uidai.gov.in/biometric-lock) का विकल्प मिलेगा, उस पर क्लिक करें।
- फिर एक नया पेज खुलेगा। जहां पर बायोमेट्रिक लॉक/अनलॉक से जुड़ी जरूरी जानकारियां दी गई हैं। इसे अच्छे से पढ़ने के बाद नीचे की तरफ आधार नंबर और एक सिक्योरिटी कोड (कैप्चा) डालना होगा। इसे डालने के बाद नीचे आ रहे सेंड ओटीपी पर क्लिक करें। क्लिक करते ही आधार नंबर के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आ जाएगा। अब ओटीपी डालकर लॉगइन कर लें।
- लॉगइन करने के बाद अपना डाटा लॉक करने के लिए फिर से सिक्योरिटी कोड डालकर एनेबल पर क्लिक करें। यहां क्लिक करते ही Congratulation! Your Biometrics is Locked लिखा आ जाएगा। इसके नीचे एक मैसेज भी मिलेगा कि अब आप फिंगरप्रिंट और आइरिश के जरिए ऑथेंटिकेशन नहीं कर पाएंगे। ऑथेंटिकेशन के लिए बायोमेट्रिक लॉक को टेम्परारी अनलॉक करना होगा। आप चाहें, तो बायोमेट्रिक लॉक को डिसेबल भी कर सकते हैं। इसके लिए फिर से आपको लॉगइन करना होगा।

अनलॉक का तरीका

जिस तरह से आपने अपने आधार कार्ड को लॉक किया है, उसी तरह अपने आधार कार्ड को अनलॉक/डिसेबल भी कर सकते हैं।

- कार्ड को अनलॉक करने के लिए सबसे पहले https://resident.uidai.gov.in/biometric-lock वेबसाइट पर जाकर लॉगइन कर लें। इसके बाद एनेबल और डिसेबल के दो ऑप्शन मिलेंगे। अब उसी पेज पर दिखाई दे रहे सिक्योरिटी कोड डालकर एनेबल पर क्लिक कर दें। क्लिक करते ही कार्ड का लॉक खुल जाएगा। यहां भी ओटीपी नंबर आपके मोबाइल पर आएगा।

- अगर आपको अपना आधार कार्ड अनलॉक करना है, तो यहां से कर सकते हैं। आधार कार्ड को अनलॉक करने पर यह सिर्फ कुछ मिनट के लिए अनलॉक होगा। उसके बाद यह अपने आप फिर से लॉक हो जाएगा।
- अगर आप चाहते हैं कि आपका आधार कार्ड हमेशा के लिए अनलॉक हो जाए, तो फिर आपको डिसेबल के बटन पर क्लिक करना पड़ेगा। डिसेबल के बटन पर क्लिक करने के बाद आपका आधार कार्ड हमेशा के लिए अनलॉक हो जाएगा।

वर्चुअल आइडी का इस्तेमाल

आने वाले दिनों में आधार की सिक्योरिटी के लिए वर्चुअल आइडी का इस्तेमाल भी कर सकेंगे। यह सुविधा 1 मार्च, 2018 से आ जाएगी। कोई भी कार्डधारक कितनी भी वर्चुअल आइडी बना सकते हैं। इसके जरिए बिना आधार नंबर साझा किए सिम के सत्यापन समेत कई अन्य कार्य किए जा सकते हैं। अगर यूजर को अपने आधार नंबर की जरूरत होगी तो वह यूआइडीएआइ की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर या फोन पर एमआधार एप का इस्तेमाल कर उसी समय 16 डिजिट की वर्चुअल आइडी जनरेट कर सकेंगे। यह नंबर 12 डिजिट के असली आधार नंबर के लिए मास्क की तरह काम करेगा। वर्चुअल आइडी से सिर्फ नाम, पता और व्यक्ति की फोटो को एक्सेस किया जा सकेगा। यूआइडीएआइ के अनुसार यह वर्चुअल आइडी अस्थायी होगा। हर आइडी की वैलिडिटी की समय-सीमा होगी। अगर कोई भी व्यक्ति वर्चुअल आइडी जनरेट करता है, तो पुरानी वाली आइडी अपने आप रद्द हो जाएगी यानी एक समय पर एक ही वर्चुअल आइडी का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

जानें कब-कब हुआ है आधार का इस्तेमाल

ऑथेंटिकेशन के लिए कब-कब आधार का इस्तेमाल हुआ है, इसके बारे में आसानी से जान सकते हैं। इससे लिए आधार की वेबसाइट पर आधार सर्विसेज वाले सेक्शन में जाएं, यहां सबसे नीचे आपको आधार ऑथेंटिकेशन हिस्ट्री (https://resident.uidai.gov.in/notification-aadhaar) का विकल्प मिलेगा। क्लिक करने के बाद एक पेज खुलेगा। यहां पर अपना आधार नंबर डालें। कैप्चा कोड भी डालना होगा। इसके बाद जनरेट ओटीपी पर क्लिक करें। ओटीपी रजिस्टर मोबाइल नंबर पर मिलेगा। फिर जो पेज खुलेगा, वहां अलग-अलग ऑथेंटिकेशन रिक्वेस्ट को फिल्टर करने की सुविधा मिलेगी। आखिरी फील्ड ओटीपी का है। यहां ओटीपी डालें और सब्मिट पर क्लिक कर दें। इसके बाद आधार ऑथेंटिकेशन रिक्वेस्ट का पूरा ब्योरा देख पाएंगे। यहां पर तारीख, समय और किस तरह से ऑथेंटिकेशन हुआ है, ये सारी जानकारियां मिल जाएंगी।

फेस ऑथेंटिकेशन फीचर

आधार कार्ड की सिक्योरिटी के लिए यूआइडीएआइ ने नया सिक्योरिटी फीचर जारी किया है, जिसमें फिंगरप्रिंट और आंख की पुतलियों के अलावा चेहरे को भी पहचान कर आधार बनाया जाएगा। सुरक्षा का यह नया फीचर इसी साल जुलाई से शुरू किया जाएगा। अब जब आधार कार्ड बनाया जाएगा तो एनरोलमेंट कराने वाले शख्स के चेहरे की भी फोटो ली जाएगी। इस फीचर से लोगों की पहचान करने में आसानी होगी। साथ ही, यह भी कहा जा रहा है कि जुलाई से नया आधार कार्ड बनवाने वाले को यह विकल्प होगा कि यदि उनकी आखों या अंगुलियों में कोई दिक्कत है, तो वे इनकी बजाय अपने चेहरे का वेरिफिकेशन फोटो क्लिक करा सकते हैं।

अमित निधि